गुरुवार
30 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 86 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

तेज रफ्तार स्कूल वाहन गड्ढे में पलटा, छात्र-छात्राएं और शिक्षिका गंभीर रूप से घायल

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। गोखुलपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब बच्चों को घर छोड़ने जा रही स्कूली मैजिक सड़क किनारे बने गड्ढे में पलट गई। दुर्घटना में 11 छात्र-छात्राएं और एक शिक्षिका घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बच्चों की चीख-पुकार सुन ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े।

जानकारी के अनुसार, स्कॉलर विद्या मंदिर बोधनगर की पिंक रंग की बिना नंबर प्लेट वाली मैजिक दोपहर स्कूल छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर गोपालपुर चौरिया की ओर जा रही थी। वाहन में नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के बच्चे और शिक्षिका संजू देवी सवार थीं। अमैआ गांव के पास चालक ने ओवरटेक करने के दौरान वाहन की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान सड़क पर बने गड्ढे में आगे का चक्का फंस गया और संतुलन बिगड़ने से मैजिक पलट गई।

हादसे में सत्यम कुमार, आदित्य कुमार, दिव्यांशु कुमार, शिवानी कुमारी, सूर्यकांत कुमार, पलक कुमारी, सुहानी कुमारी, शिव कुमार, विकास कुमार समेत कई बच्चे घायल हो गए। ग्रामीणों ने सभी को बाहर निकालकर रहुई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि दो बच्चों और शिक्षिका के सिर में गंभीर चोट आने पर टांके लगाए गए हैं। सात बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि तीन बच्चों को बेहतर इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने वाहन जब्त कर एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

खुदागंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार बरामद, तीन नाबालिग युवक गिरफ्तार

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुरा (अपना नालंदा)। खुदागंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर एक देशी कट्टा और एक देशी राइफल बरामद की है। इस कार्रवाई में तीन नाबालिग युवकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। मामले की जानकारी नालंदा सुरक्षा डीएसपी रंजन कुमार ने इस्लामपुरा डीएसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी।

डीएसपी ने बताया कि बुधवार सुबह खुदागंज थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि खुदागंज हाई स्कूल मैदान में कुछ युवक ताड़ी पीते हुए हथियार लहरा रहे हैं। सूचना के आधार पर खुदागंज थाना अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गहलोत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। पुलिस ने खुदागंज वाली के समीप जंगलनुमा इलाके मेंकाले रंग की पैशन प्रो बाइक के साथ खड़े तीन युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर पीपल के पेड़ के नीचे छिपाकर रखा गया एक देशी कट्टा बरामद किया गया।

गिरफ्तार नाबालिगों की पहचान खुदागंज निवासी विश्वजीत कुमार के पुत्र अमरजीत कुमार, संजय कुमार के पुत्र आयुष राज तथा चौरमा विगहा निवासी रंजीत प्रसाद के पुत्र रौशन कुमार के रूप में हुई है।

डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि दूसरी कार्रवाई चौरमा गांव में हुई, जहां गोलीबारी की सूचना पर पुलिस पहुंची। तलाशी के दौरान कौशलेंद्र कुमार पिता जागेश्वर प्रसाद के नेवारी पुंज से एक देशी राइफल बरामद की गई। हालांकि आरोपी फरार हो गया। इस मामले में रंजीत प्रसाद के आवेदन पर 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

प्रेस वार्ता में अजीत कुमार तथा अनिल कुमार पांडेय भी उपस्थित रहे।

नालंदा में ईंधन संकट की अफवाह बेबुनियाद, पर्याप्त आपूर्ति का प्रशासनिक दावा

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर गुरुवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों और वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि आईओसीएल और बीपीसीएल के सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं तथा जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। केवल एचपीसीएल के बेचन माधुरी एचपी और केदारनाथ फ्यूल्स पंप आंतरिक कारणों से बंद हैं, जिन्हें जल्द चालू कराने का आश्वासन दिया गया।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि शादी के मौसम में ईंधन की मांग बढ़ी है, इसलिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसी भी तरह की समस्या होने पर तुरंत समन्वय कर समाधान करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और पैनिक नहीं होने की अपील की।

एलपीजी नोडल पदाधिकारी ने बताया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8848 घरेलू सिलिंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जा रहे हैं। जिले का गैस बैकलॉग 4.3 से घटकर 3.4 हो गया है, जिसे जल्द 3 से नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया है।बैठक में PNG पाइपलाइन विस्तार की भी समीक्षा हुई। बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव के कई वार्डों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा अब तक 1814 लोगों को PNG कनेक्शन दिया गया है। जिला प्रशासन ने जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग की सूचना टोल फ्री नंबर 06112-233168 पर देने की अपील की है।

सम्राट चौधरी के आगमन को लेकर सरमेरा में नो फ्लाई जोन घोषित

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का एक मई को नालंदा जिले के सरमेरा प्रखंड अंतर्गत ग्राम प्रणावाँ में परिभ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक, नालंदा द्वारा जिला प्रशासन को सूचित किया गया है कि मुख्यमंत्री स्तर की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कार्यक्रम स्थल को अस्थायी रेड जोन घोषित करना आवश्यक है। इसके तहत कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन, हॉट एयर बैलून, पैरा मोटर्स, पैरा ग्लाइडर्स, पावर्ड हैंड ग्लाइडर सहित सभीप्रकार के गैर पारंपरिक उड़ने वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार ने निर्देश जारी करते हुए बताया कि सरमेरा प्रखंड के ग्राम प्रणावाँ स्थित हेलीपैड, बाबा महतो साहब मंदिर तथा मेला क्षेत्र को अस्थायी नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। यह आदेश सुरक्षा कारणों से तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रतिबंधित उड़ान उपकरणों का उपयोग किए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी बिहारशरीफ एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिहारशरीफ-01 को आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है।

लंबित जांच रिपोर्ट पर शिक्षा विभाग सख्त, अधिकारियों को दिया अंतिम निर्देश

अखिलेंद्र कुमार

पटना (अपना नालंदा)। क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक कार्यालय, पटना प्रमंडल द्वारा लंबित जांच प्रतिवेदन को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़ा निर्देश जारी किया गया है। क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक राज कुमार ने संचालन पदाधिकारी-सह-जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना को एक सप्ताह के भीतर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।जारी पत्र के अनुसार, कार्यालय के पूर्व ज्ञापांक-1433 दिनांक 11 सितंबर 2025 के माध्यम से कार्यालय के तत्कालीन लिपिक फणी मोहन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच के लिए संचालन पदाधिकारी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना, पटना को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया गया था। उन्हें बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के तहत निर्धारित प्रारूप में जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

हालांकि, विभागीय निर्देश के बावजूद अब तक जांच प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक ने नाराजगी व्यक्त की है। पत्र में कहा गया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रतिवेदन नहीं मिलने से विभागीय कार्य प्रभावित हो रहा है।राज कुमार ने निर्देश दिया है कि बिहार सरकारी सेवक नियमावली 2005 के नियमों का पालन करते हुए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर एक सप्ताह के अंदर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। विभागीय स्तर पर मामले की लगातार निगरानी की जा रही है और समय पर प्रतिवेदन नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है।

दीपनगर में छापेमारी कर बाल श्रमिक मुक्त, नियोजकों पर होगी सख्त कार्रवाई

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। श्रम संसाधन विभाग, बिहार के निर्देश पर नालंदा जिले में बाल श्रम के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बिहारशरीफ सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में बिहारशरीफ प्रखंड के दीपनगर क्षेत्र में विशेष धावा दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान दीपनगर क्षेत्र स्थित एक प्रतिष्ठान से एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया। अभियान के बाद श्रम अधीक्षक अश्विनी कुमार ने कहा कि नालंदा जिले में बाल श्रम के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषी नियोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत संबंधित नियोजकों के विरुद्ध संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं विमुक्त बाल श्रमिक को आगे की आवश्यक कार्रवाई और संरक्षण के लिए बाल कल्याण समिति, बिहारशरीफ, नालंदा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।इस विशेष अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी हरनौत चांदनी रस्तोगी, आईडिया संस्था नालंदा के जिला समन्वयक उज्ज्वल अस्विनी कुमार, शैलेंद्र प्रसाद तथा दीपनगर थाना की पुलिस टीम सक्रिय रूप से शामिल रही।

श्रम विभाग ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी बाल श्रमिक कार्य करते दिखाई दें तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग या थाना को दें, ताकि बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराया जा सके।

ई-शिक्षा कोष में उपस्थिति नहीं दर्ज करने वाले शिक्षकों पर हो कार्रवाई : गायत्री देवी

अखिलेंद्र कुमार

पटना (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में तेजस्वी फैन्स एसोसिएशन की सचिव गायत्री देवी ने क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, पटना तथा नालंदा जिलाधिकारी को आवेदन सौंपकर मामले की जांच कराने और दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

दिए गए आवेदन में कहा गया है कि रहुई प्रखंड के कई शिक्षक वर्ष 2025 से अब तक ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें नियमित वेतन का भुगतान किया जा रहा है। आवेदन में उत्क्रमित मध्य विद्यालय दलचंदपुर के श्यामु कुमार, उर्दू मध्य विद्यालय इन्दवास के विनय कुमार, उ०मा० विद्यालय देकपुरा के संजीव कुमार तथा प्राथमिक विद्यालय बोकना के पंकज कुमार के नाम का उल्लेख किया गया है।

गायत्री देवी ने अपने आवेदन में यह भी कहा है कि पूर्व में इसी तरह की लापरवाही के मामले में मध्य विद्यालय सोनसा, गोविंदपुर के प्रधानाध्यापक मो. निशात आलम को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई की गई थी। ऐसे में समानता के आधार पर अन्य आरोपित शिक्षकों पर भी एक जैसी कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक एवं जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा की गई कार्रवाई की सूचना उपलब्ध कराने की मांग की है।

सिलाव में स्कूल चले अभियान के तहत 48 बच्चों का विद्यालयों में नामांकन

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिला प्रशासन द्वारा संचालित "स्कूल चले अभियान" के तहत बच्चों को विद्यालय से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार के निर्देशानुसार मंगलवार को सिलाव प्रखंड में विशेष नामांकन अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी सिलाव द्वारा किया गया।

अभियान के दौरान आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं संबंधित महिला पर्यवेक्षिकाओं के सहयोग से विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों का नजदीकी विद्यालयों में नामांकन कराया गया। मध्य विद्यालय धारहरा, सिलाव में 20 बच्चों का नामांकन वर्ग एक में करायागया, जबकि उर्दू प्लस टू माध्यमिक विद्यालय बड़ा कर, सिलाव में 28 बच्चों का नामांकन किया गया। इस प्रकार कुल 48 बच्चों को विद्यालय से जोड़ा गया।

नामांकन के बाद बच्चों के बीच निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, स्कूल बैग एवं पानी की बोतल का वितरण किया गया। अधिकारियों एवं शिक्षकों ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रखंड प्रशासन ने बताया कि "स्कूल चले अभियान" का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ना तथा विद्यालय छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में लाना है। इस अभियान को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कर्मियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजगीर परीक्षा केंद्र पर सख्ती, तीन दिनों में बारह मुन्नाभाई पकड़े गए

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर स्थित राजकीय डिग्री महाविद्यालय में चल रही यूजी सेमेस्टर- 6 परीक्षा के दौरान फर्जी परीक्षार्थियों पर लगातार कार्रवाई जारी है। परीक्षा केंद्र पर सख्ती और गहन जांच के कारण तीन दिनों में कुल 12 मुन्नाभाई दूसरे छात्रों के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गए हैं। सभी को तत्काल प्रभाव से परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह परीक्षा सोमवार से शुरू हुई है। राजकीय डिग्री कॉलेज, राजगीर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जहां वर्धमान महावीर कॉलेज, पावापुरी के छात्र-छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। बुधवार को प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान तीन फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। जांच में उनके दस्तावेजों में गड़बड़ी मिलने के बाद उन्हें तुरंत बाहर कर दिया गया। इससे पहले पहले दिन छह और दूसरे दिन तीन मुन्नाभाई पकड़े जा चुके थे। लगातार सामने आ रहे मामलों से परीक्षा केंद्र की निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक सख्ती का अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि परीक्षा को कदाचारमुक्त और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सभी परीक्षार्थियों की पहचान और दस्तावेजों की गहन जांच के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जा रहा है।

उन्होंने छात्रों और अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के कदाचार से दूर रहें और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

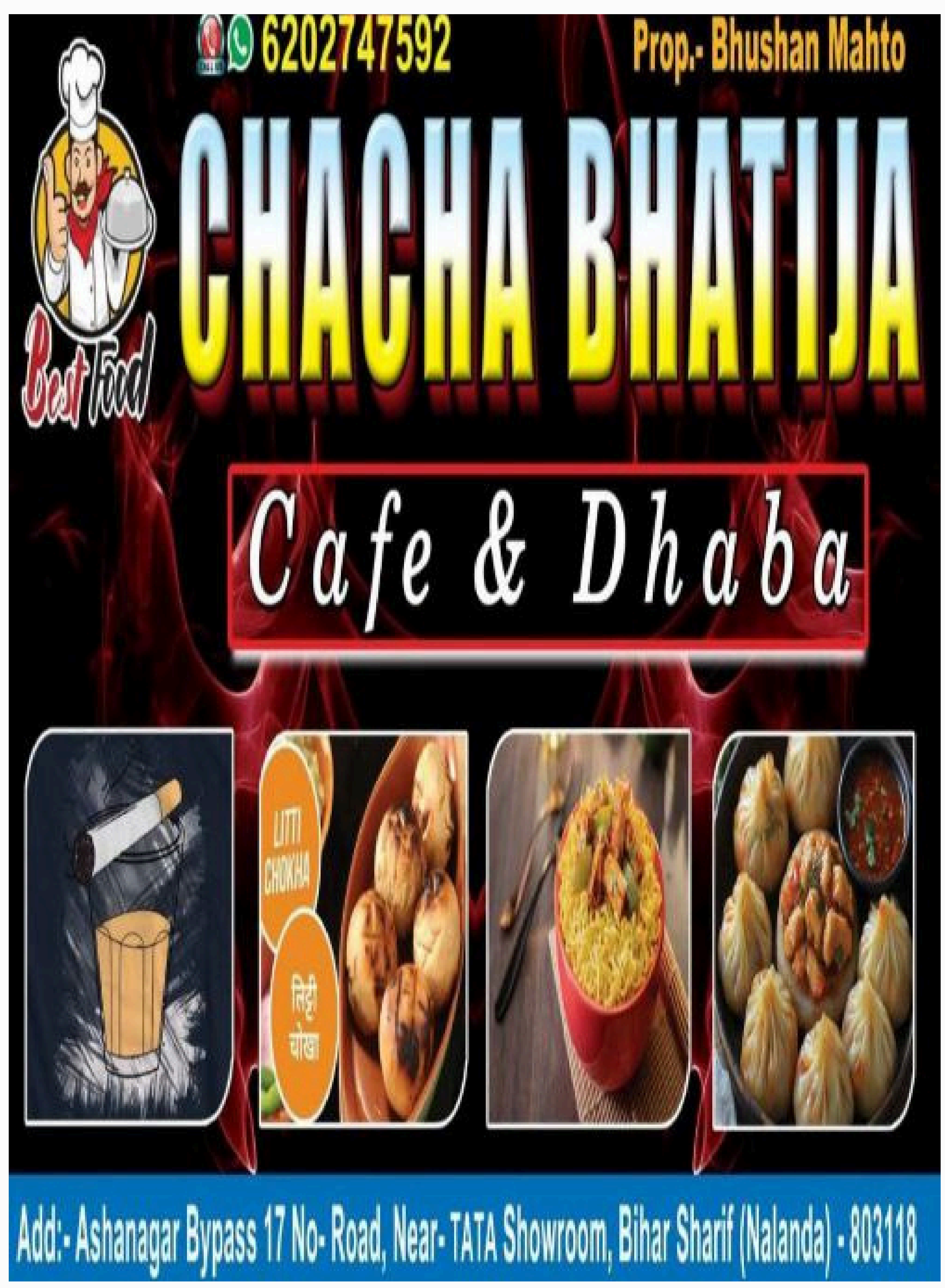

321 महिलाओं की कलशयात्रा से गूंजा अमावां, शुरू हुआ भव्य सतचंडी महायज्ञ

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अस्थावां प्रखंड के अमावां गांव में बुधवार को धार्मिक आस्था, भक्ति और उत्साह के बीच भव्य कलशयात्रा के साथ श्री श्री 108 सतचंडी महायज्ञ प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ का शुभारंभ हुआ। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

कार्यक्रम की शुरुआत लोदीपुर पंचायत सरकार भवन के समीप बाढ़ स्थित उमानाथ गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लाकर विधिवत जलभरी के साथ हुई। इसके बाद 321 महिलाओं एवं कन्याओं ने सिर पर कलश लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली। कलशयात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष श्रद्धालु भी शामिल हुए।

यह शोभायात्रा अमावां बेल्दरिया से प्रारंभ होकर अमावां गांव, बाजार और बेनार-सकसोहरा मुख्य मार्ग होते हुए पुनः यज्ञ मंडपपहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच कलश स्थापना की गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

यज्ञ समिति के अध्यक्ष लल्लू कुमार ने बताया कि यह महायज्ञ 29 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जाएगा। समापन पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन शाम में कथावाचक स्वामी पप्पू जी महाराज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जाएगा।

वहीं रात 8 बजे से वृंदावन की प्रसिद्ध रासमंडली द्वारा रासलीला का मंचन किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है, जबकि स्थानीय प्रशासन सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद है।

शिक्षा के लिए सड़क पर उतरे छात्र-शिक्षक, नामांकन को लेकर बड़ा संदेश

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अस्थावां प्रखंड के महम्मदपुर स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भव्य नामांकन रैली निकाली गई। रैली में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर शिक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

यह रैली हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया के अंतर्गत संचालित 'कदम बिहार' कार्यक्रम के नेतृत्व में आयोजित की गई। रैली को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वीणा कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कदम बिहार के महेंद्र सिंह, दीक्षा कुमारी, शालिनी कुमारी और अजीत कुमार सिन्हा उपस्थित रहे।

रैली में बीएड कॉलेज मालती के प्रशिक्षु शिक्षक गायत्री कुमारी, सीमा कुमारी, पायल कुमारी, खुशबू कुमारी, अंजली कुमारी और सचिन कुमार ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

रैली के दौरान बच्चों ने "पढ़ी-लिखी बहना, घर की है गहना", "जन्म दिया तो शिक्षा दो", "जितने फूल माला में, सब बच्चे पाठशाला में" तथा "बेटा पढ़ना फर्ज है, तो बेटी में क्या हर्ज है" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर शिक्षिका रीना सिन्हा, ललिता कुमारी तथा शिक्षक अजय कुमार और शंकर प्रसाद निराला भी मौजूद रहे।

रैली का उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों का नामांकन कराने और शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

जहानाबाद में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानदारों से वसूला गया जुर्माना

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और आम लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। बिहार सरकार की "ईज ऑफ लिविंग" योजना के तहत जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के निर्देश पर नगर परिषद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे अवैध रूप से दुकान लगाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया।

कार्यपालक पदाधिकारी दिनानाथ सिंह के नेतृत्व में यह अभियान ऊंटा मोड़ से जहानाबाद बस स्टैंड के आगे तक चलाया गया। इस दौरान वेंडिंग जोन के रूप में चिन्हित स्थानों के बाहर सड़क और पथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को हटाया गया तथा उन्हें निर्धारित वेंडिंग जोन में स्थानांतरित होने का निर्देश दिया गया।अभियान के दौरान कुल 15 दुकानदारों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से अतिक्रमण करने के आरोप में 8 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। नगर परिषद प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और लोगों को परेशानी से बचाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण आम नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए नगर परिषद द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे निर्धारित वेंडिंग जोन में ही दुकान लगाएं और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके।

जनता दरबार में एसपी ने सुनी शिकायतें, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जहानाबाद पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने गुरुवार को आयोजित जनता दरबार में आम लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम के दौरान कुल 16 शिकायतों पर सुनवाई की गई। इनमें भूमि विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद, पुलिस कार्रवाई में विलंब तथा अन्य सामाजिक समस्याओं से जुड़े मामले शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी फरियादियों की बात गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनी तथा संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान पुलिसप्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी शिकायत को अनदेखा नहीं किया जाएगा और प्रत्येक मामले में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों की जांच कर शीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को जल्द न्याय मिल सके।

जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने भी अपनी समस्याओं को सीधे पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखने का अवसर मिलने पर संतोष जताया। कई लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से आम जनता और पुलिस प्रशासन के बीच विश्वास मजबूत होता है।पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने कहा कि जनता की सुरक्षा और समस्याओं का समाधान प्रशासन की जिम्मेदारी है तथा पुलिस हमेशा आम लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहेगी।

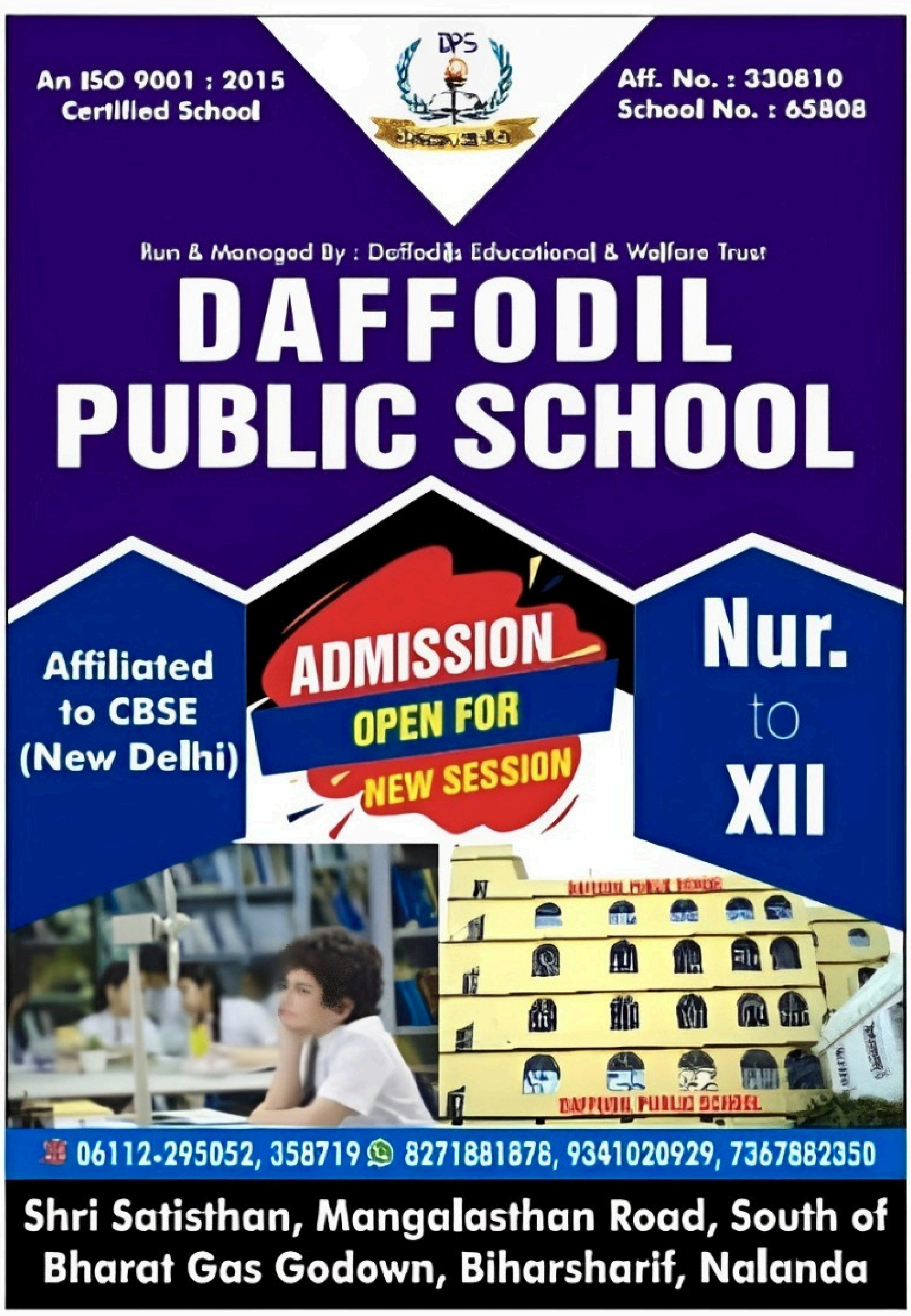

कचरे के ढेर में सिमटी राजगीर की चमक, सफाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल

नगर परिषद के आदेश बेअसर, आउटसोर्सिंग एजेंसी की मनमानी से बढ़ी परेशानी

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर की सफाई व्यवस्था इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। नगर परिषद द्वारा हर महीने सफाई व्यवस्था पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर के विभिन्न मोहल्लों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह फैली गंदगी से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने और अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार नगर परिषद ने शहर की सफाई व्यवस्था आउटसोर्सिंग एजेंसी को सौंप रखी है, लेकिन एजेंसी की कार्यशैली पूरी तरह मनमानी हो चुकी है। नगर परिषद के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि सफाई व्यवस्था पर प्रशासन का नियंत्रण कमजोर पड़ चुका है।

ताजा मामला शहर के रौशन मेडिकल हॉल से सीताराम क्लीनिक जाने वाली गली का है। इस इलाके में कई दिनों से कचरे का ढेर जमा है, जिससे राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण कचरे से दुर्गंध उठ रही है और बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार नगर परिषद को सूचना देने के बावजूद अब तक कचरा नहीं हटाया गया है।

सूत्रों के अनुसार राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल के सेवानिवृत्त उपाधीक्षक डॉ. उमेश चन्द्र, परीक्षित नारायण सुरेश, वार्ड पार्षद डॉ. अनिल कुमार सहित कई लोगों ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। इन लोगों ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार और मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुवेन्द्र राजवंशी से मिलकर तत्काल कार्रवाई की अपील भी की। अधिकारियों ने वार्ड पार्षदों की मौजूदगी में आउटसोर्सिंग एजेंसी को कचरा हटाने का निर्देश दिया, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शहरवासियों का आरोप है कि नगर परिषद टैक्स वसूली के मामले में काफी सक्रिय रहती है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं को लेकर गंभीरता नहीं दिखाती। होल्डिंग टैक्स और अन्य करों की वसूली के लिए लोगों पर लगातार दबाव बनाया जाता है, जबकि सफाई, जल निकासी और कचरा प्रबंधन जैसी जरूरी सुविधाएं बदहाल बनी हुई हैं।

राजगीर देश-विदेश के पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल माना जाता है।

यहां हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में शहर की खराब सफाई व्यवस्था न केवल स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है, बल्कि इससे पर्यटन की छवि भी प्रभावित हो रही है।

लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर सफाई व्यवस्था में सुधार लाने और आउटसोर्सिंग एजेंसी पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

संपादकीय

जे पी चौधरी

लुटियंस दिल्ली बनने तक सिविल लाइंस ही ब्रिटिश प्रशासन का मुख्य केंद्र रहा

दिल्ली में सिविल लाइंस का इतिहास 1857 से गहराई से जुड़ा है। मुगल राजधानी शाहजहानाबाद (पुरानी दिल्ली) के उत्तर में, यमुना नदी के किनारे बसा यह क्षेत्र ब्रिटिशों का पहला प्रमुख आवासीय केंद्र बना।

लुटियंस दिल्ली बनने तक सिविल लाइंस ही ब्रिटिश प्रशासन का मुख्य केंद्र रहा। आज भी यहां निकोलसन कब्रिस्तान मौजूद है, जो 1857 में स्थापित हुआ। यह कब्रिस्तान ब्रिटिश सैनिकों और अधिकारियों की मौत के बाद बनाया गया था। यहां ब्रिगेडियर जॉन निकोलसन की कब्र है, जो विद्रोह दबाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रिटिश अधिकारी थे। इस कब्रिस्तान के पास बना चर्च स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए था।

यह पूरा इलाका आज भी रहस्यमयी कहानियों और पैरानॉर्मल घटनाओं से जुड़ा माना जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण प्रतीक है कुदसिया बाग।

मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीला की बेगम कुदसिया द्वारा 1748 में बनाया गया यह चारबाग शैली का सुंदर बगीचा 1857 में ब्रिटिशों द्वारा नष्ट कर दिया गया। बाद में यहां अंग्रेजी शैली का बंगला बनाया गया। हाथी गेट भी यहीं है, जिसे बहादुर शाह जफर ने बनवाया था। मोटी दीवारों वाला यह गेट ब्रिटिश काल में सिविल लाइंस की सीमा बन गया।

मैडंस होटल (अब ओबेरॉय मैडंस) दिल्ली के सिविल लाइंस का एक शानदार नमूना है। यह हेरिटेज होटल सफेद इमारत, पुरानी लॉबी और स्विमिंग पूल के साथ औपनिवेशिक वास्तुकला का जीवंत उदाहरण है। अलीपुर रोड पर स्थित पुराना सेक्रेटेरिएट भवन, जिसमें 19 ब्रिटिश गवर्नर जनरल (वायसरॉय) कार्यरत रहे, आज इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन बन चुका है। मेटकाफ हाउस भी सर थॉमस मेटकाफ का निवास था। ये सभी इमारतें ब्रिटिश शासन की सत्ता और प्रतिष्ठा के प्रतीक थीं।

सिलाव नगर पंचायत में शिकायतों पर विभाग सख्त, जांच से बढ़ी हलचल

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। सिलाव नगर पंचायत में कार्यरत कर्मियों पर लगे अनियमितता और अवैध कार्यों के आरोपों ने प्रशासनिक तंत्र में हलचल तेज कर दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटना निवासी मोहित कुमार ने नगर पंचायत सिलाव में कार्यरत प्रधान लिपिक निरंजन कुमार, कनीय अभियंता पंकज कुमार सहित अन्य कर्मियों पर नियमों की अनदेखी कर कार्य करने का आरोप लगाते हुए विभाग में परिवाद दायर किया था। परिवाद में कहा गया है कि कई कार्य बिना निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए किए गए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव राजेश्वर राज ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत सिलाव को पत्र भेजकर निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराने का निर्देश दिया है। साथ ही आरोपित बिंदुओं की गहन समीक्षा कर शीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा गया है।

विभागीय निर्देश के बाद नगर पंचायत कार्यालय में हलचल बढ़ गई है और संबंधित कर्मियों के बीच चिंता का माहौल देखा जा रहा है। अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट होगा कि आरोप कितने सही हैं।

इस पहल को प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिहार के युवाओं का दर्द: पलायन, भेदभाव और असुरक्षा पर बड़ा सवाल

सिर्फ शोक नहीं, नीति और नीयत में बदलाव जरूरी—सरकार और समाज दोनों की परीक्षा

पटना(अपना नालंदा)। वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया ने कहा कि बिहार—यह नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं। यह वही धरती है जहां बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, जहां चंद्रगुप्त मौर्य ने साम्राज्य की नींव रखी, और जहां से देश को पहला राष्ट्रपति मिला। यह वह भूमि है जहां आस्था में उगते ही नहीं, डूबते सूर्य को भी नमन किया जाता है। यह वह प्रदेश है जो हर साल देश को आईएएस-आईपीएस जैसे शीर्ष प्रशासक देता है। फिर भी विडंबना यह है कि इसी बिहार का युवा आज देश के विभिन्न हिस्सों में असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रहा है। दिल्ली में एक बिहारी युवक की गोली मारकर हत्या ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

हत्या से आगे का सवाल: इस घटना को केवल कानून-व्यवस्था की विफलता मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। यह एक व्यापक सामाजिक समस्या का संकेत है। जब किसी समुदाय विशेष के लोग बार-बार निशाना बनते हैं, तो यह संयोग नहीं, बल्कि सोच की समस्या होती है। बिहारी युवक की हत्या हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या देश के भीतर ही क्षेत्रीय असमानता और पूर्वाग्रह इतने गहरे हो चुके हैं कि एक मेहनतकश युवा की जान का मूल्य कम हो गया है?

पलायन की मजबूरी: बिहार से बड़े पैमाने पर पलायन कोई नई घटना नहीं है। इसके पीछे मूल कारण रोजगार के अवसरों की कमी है। राज्य के लाखों युवा बेहतर भविष्य की तलाश में दिल्ली, मुंबई, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों की ओर जाते हैं।यह पलायन केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक भी है। यह उस व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है, जो अपने ही युवाओं को उनके घर में अवसर उपलब्ध नहीं करा पाती। अगर स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रोजगार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियां होतीं, तो शायद यह युवा अपने ही राज्य में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा होता।

परदेस में असुरक्षा और भेदभाव: प्रवासी बिहारी युवाओं के साथ भेदभाव की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय पहचान के आधार पर उन्हें "बाहरी" मान लिया जाता है।दिल्ली की यह घटना उसी असुरक्षा की चरम परिणति है। सवाल यह है कि क्या देश के भीतर ही नागरिकों के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य है?कानून का दायरा हर नागरिक के लिए समान होना चाहिए, चाहे वह किसी भी राज्य का हो।

सरकार की जिम्मेदारी: इस घटना पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है। दोषियों की गिरफ्तारी और सख्त सजा केवल न्याय का हिस्सा नहीं, बल्कि विश्वास बहाली का भी माध्यम है।लेकिन इससे आगे बढ़कर सरकार को दीर्घकालिक उपायों पर ध्यान देना होगा—प्रवासी श्रमिकों और युवाओं की सुरक्षा के लिए विशेष तंत्र क्षेत्रीय भेदभाव के खिलाफ सख्त कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाना,केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की यह संयुक्त जिम्मेदारी है कि देश के किसी भी हिस्से में कोई भी नागरिक असुरक्षित महसूस न करे।

आत्मनिर्भर बिहार की आवश्यकता: यह घटना बिहार के लिए भी आत्ममंथन का अवसर है। राज्य को यह समझना होगा कि जब तक यहां पर्याप्त रोजगार और अवसर नहीं बनेंगे, तब तक पलायन जारी रहेगा।

आत्मनिर्भर बिहार की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे—

- औद्योगिक विकास को बढ़ावा
- कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण
- लघु और मध्यम उद्योगों का विस्तार
- युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम

जब राज्य के भीतर आर्थिक मजबूती आएगी, तभी पलायन की आवश्यकता कम होगी।

युवाओं के लिए संदेश: बिहार के युवाओं के सामने आज दोहरी चुनौती है एक ओर अवसरों की कमी, दूसरी ओर परदेस में असुरक्षा।ऐसे में जरूरी है कि युवा केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहें, बल्कि उद्यमिता और नवाचार की ओर भी कदम बढ़ाएं।

स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर छोटे उद्योग, स्टार्टअप और आधुनिक खेती के माध्यम से भी रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

"स्वराज" का वास्तविक अर्थ यही है कि युवा अपने भविष्य का निर्माण अपने ही राज्य में करें।

समाज की भूमिका: यह समस्या केवल सरकार की नहीं, समाज की भी है। हमें क्षेत्रीयता से ऊपर उठकर एक राष्ट्र की भावना को मजबूत करना होगा।जब तक समाज में पूर्वाग्रह रहेगा, तब तक कानून भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएगा। हर नागरिक को यह समझना होगा कि देश की विविधता ही उसकी ताकत है, कमजोरी नहीं।

निष्कर्ष: दिल्ली में बिहारी युवक की हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और राजनीतिक संकेत है। यह हमें बताती है कि विकास, समानता और सुरक्षा के दावों के बीच अभी भी कई खामियां मौजूद हैं। अब समय है कि सरकार, समाज और स्वयं युवा—तीनों मिलकर इस चुनौती का समाधान खोजें।

यदि बिहार अपने युवाओं को अवसर और सुरक्षा प्रदान कर सके, और देश के अन्य हिस्सों में उनके सम्मान की रक्षा सुनिश्चित हो, तभी "एक बिहारी सौ पर भारी" का नारा वास्तविक अर्थ में सार्थक होगा।अन्यथा, यह केवल एक कहावत बनकर रह जाएगा—और ऐसी घटनाएं बार-बार हमें झकझोरती रहेंगी।

शब्दों कि संख्या बताएं

पंच परिवर्तन संगोष्ठी में सामाजिक समरसता, स्वदेशी और राष्ट्रनिर्माण पर व्यापक मंथन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राजगीर में प्रमुख जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "पंच परिवर्तन" रहा, जिसके माध्यम से व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में सकारात्मक बदलाव की अवधारणा को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।

संगोष्ठी में समाज की 40 श्रेणियों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 26 श्रेणियों के 150 से अधिक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में कलाकार, व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता, इंफ्लुएंसर, प्रोफेसर, कीर्तनकार, योग शिक्षक, ढोल-ताशा पथक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर, वकील, मोटिवेशनल स्पीकर, एनजीओ संचालक, बजत गट, स्वाध्याय परिवार, गायत्री परिवार, रामकृष्ण मिशन, कोचिंग संस्थानों, स्कूलों, मंदिरों और समाज भवनों के अध्यक्षों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नालंदा जिला संघचालक बृज बिहारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. विजय कर्ण ने मार्गदर्शन और समन्वय की भूमिका निभाई। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय प्रचारक स्वात रंजन ने अपने उद्बोधन में भारत की सांस्कृतिक एकात्मता, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्यों, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी भावना पर विस्तार से विचार रखे।

उन्होंने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता राजनीति या भाषा पर आधारित नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और आत्मीयता पर आधारित है। उन्होंने भुज भूकंप, केदारनाथ आपदा और चंद्रयान अभियान का उदाहरण देते हुए कहा कि संकट और उपलब्धि के समय पूरा देश एक परिवार की तरह खड़ा दिखाई देता है। उन्होंने गुरु नानक देव और आदि शंकराचार्य के देशव्यापी भ्रमण का उल्लेख करते हुए भारत की अखंड सांस्कृतिक चेतना को रेखांकित किया।

"पंच परिवर्तन" की व्याख्या करते हुए उन्होंने

कहा कि परिवर्तन स्वयं से शुरू होकर परिवार, समाज, राष्ट्र और अंततः संपूर्ण सृष्टि तक पहुंचता है। कुटुंब प्रबोधन पर उन्होंने कहा कि संवाद और संस्कार परिवार को जोड़े रखने की सबसे बड़ी शक्ति हैं। कोरोना काल में तकनीक के माध्यम से परिवारों के जुड़े रहने को उन्होंने भारतीय संस्कृति की विशेषता बताया।

सामाजिक समरसता पर उन्होंने अस्पृश्यता को समाज के लिए अभिशाप बताते हुए सम्मान आधारित समाज निर्माण पर बल दिया। आरक्षण को समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का माध्यम बताते हुए उन्होंने नागपुर के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. कांबले का उदाहरण दिया। नागरिक कर्तव्यों पर उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन, कर भुगतान और स्वच्छता जैसे छोटे कार्य भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने "तीन प"—पेड़ लगाना, पानी बचाना और प्लास्टिक हटाना—का संदेश दिया। वहीं स्वदेशी भावना पर जोर देते हुए उन्होंने भाषा, भूषा, भोजन और व्यवहार में भारतीयता अपनाने की अपील की। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा को आवश्यक बताते हुए पुणे के सीओईपी संस्थान का उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में लगभग 40 मिनट तक चर्चा सत्र चला, जिसमें उपस्थित प्रमुखजनों ने अपने विचार साझा किए। अंत में रामजी सिन्हा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक उमेश कुमार, क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम, विभाग कार्यवाह मुरारी तथा विभाग प्रचारक इन्द्रनारायण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोवा के बागा बीच पर दिखा टैलेंट का जलवा

यूनिवर्सल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मंच पर चमकी देश-विदेश की प्रतिभाएं

गोवा के मशहूर बागा बीच पर 26 अप्रैल 2026 को यूनिवर्सल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का भव्य आयोजन नरूलाज एंड कंपनी (इवेंट्स) द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शानदार व्यवस्था और आकर्षक प्रस्तुति के कारण यह कार्यक्रम लोगों के बीच खास चर्चा का विषय बना रहा।

इस आयोजन में देश-विदेश से आए अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे लोगों को सम्मानित करना था, जिन्होंने अपने काम और मेहनत से अपनी अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम का आयोजन शिखा नरूला के नेतृत्व में किया गया। उनकी योजना और बेहतर प्रबंधन के कारण पूरा आयोजन व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न हुआ। मंच सजावट, लाइटिंग और प्रस्तुति ने पूरे माहौल को और भी खास बना दिया।

इस मौके पर राज लुइटेल, रीता आचार्य, रमेश बुधाथोकी, परशुराम चौहान (प्रलाद), अविनाश गोयल और सुदेश सुभाष सालगांवकर सहित कई प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया गया। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में लगातार काम करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। कार्यक्रम के दौरान सभी सम्मानित व्यक्तियों की उपलब्धियों के बारे में बताया गया और उनके काम की सराहना की गई। पत्रकारिता, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल मीडिया, बिजनेस और कला जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान को सामने रखा गया, जिससे लोगों को प्रेरणा मिली।

यूनिवर्सल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एक ऐसा मंच है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को पहचान और सम्मान देता है। यह मंच न केवल उपलब्धियों को दर्ज करता है, बल्कि उन व्यक्तियों को भी सम्मानित करता है, जिन्होंने नए रिकॉर्ड बनाए हैं या पुराने रिकॉर्ड को तोड़कर अपनी अलग पहचान बनाई है। यहां ऐसे लोगों को विशेष रूप से सराहा जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में कुछ नया और अलग कर दिखाया हो और जिनकी उपलब्धियां रिकॉर्ड के रूप में दर्ज की जाती हैं। इस मंच पर सम्मान मिलना किसी भी व्यक्ति के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है, क्योंकि यह उनके कार्य को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाता है।

दर्शकों की अच्छी मौजूदगी और उनकी भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया। हर सम्मान के साथ तालियों की गूंज ने पूरे माहौल को जोश से भर दिया और लोग पूरे कार्यक्रम से जुड़े रहे।

मंच की सजावट, लाइटिंग और पूरी प्रस्तुति ने इस आयोजन को और आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के अच्छे तरीके से आगे बढ़ता रहा, जिससे इसकी गुणवत्ता साफ नजर आई।

आयोजन के सफल संचालन में शिखा नरूला की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नेतृत्व और टीमवर्क के कारण यह कार्यक्रम एक सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में सामने आया।

यह कार्यक्रम केवल एक अवॉर्ड समारोह नहीं था, बल्कि यह उन लोगों के लिए एक मंच बना, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने क्षेत्र में पहचान बनाई है।

इस आयोजन के दौरान प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों के बीच एक सकारात्मक माहौल देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे के काम को सराहा और इस मंच के माध्यम से नए अवसरों की संभावनाएं भी सामने आईं।

कार्यक्रम ने यह भी दिखाया कि अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले लोग जब एक साथ आते हैं, तो एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का माहौल बनता है। यह आयोजन केवल सम्मान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला भी साबित हुआ।

इस तरह के आयोजनों से प्रतिभाओं को एक सही दिशा मिलती है और उन्हें अपने काम को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने का मौका मिलता है। यह मंच उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने क्षेत्र में लगातार मेहनत कर रहे हैं।

बागा बीच, गोवा पर आयोजित यह आयोजन अपने बेहतर प्रबंधन, शानदार प्रस्तुति और प्रतिभाओं के सम्मान के कारण एक सफल और प्रभावशाली कार्यक्रम के रूप में दर्ज किया गया।

तकनीकी शिक्षा क्रांति से बिहार में थमा छात्रों का पलायन, रोजगार बढ़ा लगातार:- विजय कुमार चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। बिहार में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हुए विस्तार का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों की ओर होने वाला छात्रों का पलायन तेजी से कम हुआ है। राज्य सरकार का दावा है कि अब बिहार के छात्र-छात्राएं अपने ही जिले और आसपास बेहतर तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथा रोजगार के नए अवसर भी हासिल कर रहे हैं।

यह बातें उपमुख्यमंत्री सह विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को पटना स्थित संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और सात निश्चय कार्यक्रम का सकारात्मक परिणाम अब जमीन पर दिख रहा है। राज्य में तकनीकी शिक्षण संस्थानों का व्यापक विस्तार हुआ है, जिससे हजारों युवाओं को घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार के छात्र इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाते थे। इससे राज्य का पैसा और प्रतिभा दोनों बाहर चली जाती थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। बिहार के विभिन्न जिलों में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक संस्थान खुलने से छात्रों को बेहतर सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिलने लगी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर रोजगार योग्य तैयार करना है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में जल्द ही मंत्रिपरिषद का विस्तार होगा तथा नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास योजनाओं और नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना को प्राथमिकता देते हुए लगातार काम कर रही है।

प्रेस वार्ता में विभागीय सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राज्य के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कुल 14,553 सीटें तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों में 17,243 सीटें स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने तकनीकी शिक्षा को गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों की पहुंच में लाने के लिए फीस बेहद कम रखी है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में नामांकन शुल्क मात्र 10 रुपये तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों में सिर्फ 5 रुपये निर्धारित किया गया है।

सचिव ने बताया कि रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राज्य स्तर की नियोजन समिति और संस्थानों के प्लेसमेंट सेल लगातार सक्रिय हैं। इसी का परिणाम है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अब तक लगभग 15,246 छात्रों को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार मिल चुका है।

प्रेस वार्ता में विभाग के निदेशक अहमद महमूद, राज्य प्रावैधिक शिक्षा परिषद के सचिव चंद्रशेखर सिंह तथा बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के कुलपति सुरेश कांत वर्मा समेत कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नेरुत गांव में पोखर से युवक का शव बरामद, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सारे थाना क्षेत्र के नेरुत गांव में बुधवार सुबह पोखर से एक युवक का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नेरुत गांव निवासी किशोरी चौधरी के लगभग 28 वर्षीय पुत्र कृतिवास कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

ग्रामीणों के अनुसार कृतिवास कुमार मंगलवार शाम से ही घर नहीं लौटा था। देर रात तक परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे रहे। मोबाइल पर संपर्क करने की भी कोशिश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह कुछ ग्रामीण पोखर के पास पहुंचे तो वहां पानी में युवक का शव दिखाई दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत परिवार और पुलिस प्रशासन को सूचना दी।

बताया जाता है कि मृतक दो भाइयों में बड़ा था। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि कृतिवास कुमार मानसिक रूप से कमजोर था, जिसके कारण आशंका जताई जा रही है कि वह पोखर में गिर गया होगा।

सूचना मिलने पर सारे थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

नीरपुर गांव में करंट लगने से किशोर कि मौत, परिवार सदमे में डूबा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा थाना क्षेत्र के नीरपुर गांव में मंगलवार देर रात करंट की चपेट में आने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। मृतक की पहचान धर्मेंद्र मिस्त्री के 16 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में की गई है।परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम अंकुश शौच के लिए गांव के पास खेत की ओर गया था। इसी दौरान खेत मालिक द्वारा मकई की फसल की सुरक्षा के लिए लगाए गए नंगे तार मेंप्रवाहित करंट की चपेट में वह आ गया। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और वे उसकी तलाश में निकल पड़े। खोजबीन के दौरान अंकुश खेत के पास अचेत अवस्था में पड़ा मिला। इसके बाद परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली। बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों का बयान दर्ज कर संबंधित थाना को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।